>

Title : Adulteration in food commodities in the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य प्रहर में बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। इसी सदन में पिछले बजट सत्र में मिलावट के बारे में चर्चा हुई थी और कई मामले उठे हैं। आज जो आवश्यक वस्तुं खाद्य पदार्थ हैं, चाहे वे तेल, घी, दूध, खोवा, मसाला, सब्जी और फल हों, आज इन सबमें मिलावट हो रही है। जिसके कारण आम जनता त्रस्त है। आज लोग बीमार पड़ रहे हैं और यहां तक कि लोगों के मरने की भी खबरें है। 3 और 4 अक्टूबर, 2009 को मेरे निर्वाचन क्षेत्र जनपद कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश में कल्याणपुर में एक परिवार के 12 लोग सरसों का तेल पेराकर लाये और उससे खाना बनाकर खाना खाया। खाना खाने के बाद आठ लोगों की वहां मौत हो गई है। जब इसकी जांच के लिए ज्वाइंट फूड कमिश्नर वहां पहुंचे तो तेल की जांच में एक जंगली पदार्थ भटकटैया या उसे भड़भड़ा बोलते हैं, वह उस तेल में पाया गया। वहां नारायणस्वरूप हास्पिटल, नाजरेथ हास्पिटल और इलाहाबाद के पीजीआई में भी उन्हें रेफर किया गया। उन लोगों को उल्टी, दस्त लगे थे और उनके शरीर पर लाल चकते और दाग पाये। इस बारे में मैंने वहां के स्थानीय सीएमओ, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और एसडीएम से वार्ता की और कहा कि इस परिवार के अन्य लोग जो गंभीर रूप से बीमार हैं, उनका रोजाना परीक्षण कराया जाए।

महोदया, अभी मुझे खबर मिली है कि 18 तारीख को वहां पर पम्मी नाम की 18 साल की लड़की की मृत्यु हो गई। आज भी उस परिवार में आठ-दस लोग बीमार हैं। जिसके कारण नेशनल हाईवे, जो पेशावर से लाहौर जाता है, उस मेन सड़क को वहां के ग्रामीणों ने जाम कर रखा था।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहूंगा की उस पीड़ित परिवार के सात-आठ लोग मर गये हैं और कुछ लोग अभी भी बीमार हैं। इसलिए वहां एक केन्द्रीय दल जाए और परीक्षण करे और उन परिवारों को मुआवजा दिलाया जाए। इसके साथ ही जो दोषी व्यक्ति हैं, उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत एऩ्एसए लगाकर कार्रवाई की जाए, ताकि ऐसी घटनाएं पूरे देश में और कहीं घटित न हों।

इन्हीं बातों के साथ माननीय अध्यक्षा जी आपने मुझे अति लोक महत्व के प्रश्न को उठाने का मौका दिया। इसके लिए मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री सुदीप बंदोपाध्याय (कोलकाता उत्तर): मैडम, श्री सुवेन्दु अधिकारी के प्रपोजल के साथ हम सभी सांसद अपने आपको एसोसिएट करते हैं।

अध्यक्ष महोदया : आप टेबल पर अपने नाम भेज दीजिए।